देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 129 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...शादी, तलाक, उत्तराधिकार

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 20 अगस्त 2021

मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 24.0°

40243.39 2 अफगानिस्तान को निगल नहीं सकते 7 भारत के सबसे बड़े बल्लेबाज बने पंत

हर भारतीय को घर वापस लाना है

तालिबान की कथनी और करनी पर भरोसा नहीं करता भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान की भावी सरकार को लेकर भारत समेत दूसरे देश गहन चिंतन में लगे हैं। हर देश तालिबान की मौजूदगी के हर पहलू पर विचार कर रहा है। भारत भी इस पर विचार कर रहा है। भारत पहले ही इस बात को कह चुका है कि उन्हें तालिबानी की कथनी और करनी पर कोई विश्वास नहीं है।

इस बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ताजा बयान में कहा है कि भारत अफगानिस्तान पर पूरी नजर रखे हुए है। उनकी तरफ से ये भी कहा गया है कि फिलहाल भारत का ध्यान अफगानिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षित निकासी पर है। उन्होंने कहा कि वहां पर संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन के काम में भी परेशानी आ रही है।

दरअसल, तालिबान सरकार को मान्यता देने और न देने के पीछे कुछ बड़ी वजह हैं। आपको बता दें कि भारत ने अफगानिस्तान में करोड़ों डालर का निवेश किया हुआ है। तालिबान के यहां आने के बाद इस निवेश पर संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं। वहीं ये भी स्पष्ट नहीं है कि इस पर अब आगे बढ़ा जाए या नहीं। तालिबान का रवैया भी ऐसा नहीं दिखाई देता है कि उस पर विश्ध्वास किया जाए। वहीं एक बड़ी वजह ये भी है कि तालिबान एक आतंकी संगठन है जिसका अब एक राजनीतिक चेहरा सामने आया है। ऐसे में इसकी सरकार को मान्यता देना पूरी दुनिया में अलग-थलग होने जैसा है। ये भी तय नहीं है कि यदि ऐसा कर दिया जाए तो भी भारत के हित पूरे हो सकेंगे।

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी ने भारत की चुनौतियों और आतंकवाद के खतरे को बढ़ा दिया है। पाकिस्तान, तालिबान का इस्तेमाल अब भारतीय हितों पर आघात करने के लिए कर सकता है। लगभग तीन लाख की संख्या वाली अफगानी सेना को पछाड़ कर मात्र 80 हजार तालिबानी जिहादियों का अफगान पर कब्जा चिंताजनक है। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे से आतंकवाद का खतरा भारत के लिए तो बढ़ा ही है, विश्व के अन्य देश भी इससे सुरक्षित नहीं होंगे।

आपको बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद विश्व समुदाय के साथ चलने की बात कही है।

'वेट एंड वाच' का फैसला

भारत ने काबुल मिशन को लेकर अफरातफरी में कोई निर्णय करने के बजाय 'वेट एंड वाच' का फैसला किया है। भारत को अफगानिस्तान में बनने वाली नई तालिबान सरकार के स्वरूप और उसके रुख पर सतर्कतापूर्वक निगाह रखकर अपने हितों के अनुकूल फैसला करना चाहिए, न कि अमेरिका और यूरोप की जुगलबंदी का गैरजरूरी हिस्सा बनना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय मंच से काफी बातचीत

भारतीय विदेश मंत्री की तरफ से कहा गया है कि अफगानिस्तान के मुद्दे पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच से काफी बातचीत की है। इस संबंध में उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस से भी बात की है। इतना ही नहीं कई अन्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी इस मुद्दे पर बातचीत हुई है।

तालिबान के सामने चुनौती खत्म नहीं

जलालाबाद के अलावा खोस्त प्रांत में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन हुए। इससे पहले काबुल में बुर्का पहनकर महिलाएं भी तालिबान के महिला विरोधी तरीकों के विरोध में उतरी थीं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जल्दी ही देश के अंदर तालिबान के खिलाफ कई धड़े खड़े होंगे। इनमें आम जनता से लेकर अफगान सेना के सैनिक और पढ़े-लिखे युवाओं से लेकर तालिबान के अंदर ही दोफाड़ से निकले गुट हो सकते हैं। राजधानी में इन लोगों ने हिम्मत का परिचय देते हुए अब्दुल हक स्क्वेयर पर लगा तालिबान का झंडा हटाकर अफगानिस्तान का झंडा लगाया है। तालिबानी आतंकियों ने काले, लाल और हरे राष्ट्रीय ध्वज को हटाकर अपना सफेद झंडा लगा दिया था लेकिन अफगान जनता इसे कुबूल करने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे में मिले 36,401 नए कोरोना संक्रमित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में 24 घंटे के दौरान 36,401 नए कोरोना संक्रमित मिले और 530 संक्रमितों की मौत हो गई। वहीं 39,157 लोग संक्रमण से ठीक हुए हैं। यह जानकारी गुरुवार सुबह 8 बजे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई है। देशभर में सक्रिय मामलों में लगातार कमी दर्ज हो रही है। फिलहाल देश में 3,64,129 संक्रमितों का इलाज जारी है। सक्रिय मामलों का यह आंकड़ा 149 दिनों में सबसे कम है।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां जटिल हो रही हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर बदलती भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं और जटिल होती जा रही हैं। उन्होंने देश में मजबूत, सक्षम और पूरी तरह से आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग की वकालत की।

हाई कोर्ट से ममता सरकार को बड़ा झटका

चुनाव बाद हिंसा की सीबीआइ जांच के आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुए हिंसा की जांच सीबीआइ करेगी। कलकत्ता हाईकोर्ट की पांच जजों की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इसके अलावा अन्य मामलों की कोर्ट की निगरानी में एसआइटी जांच करेगी। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ितों को मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति हरीश टंडन, न्यायमूर्ति इंद्रप्रसन्न मुखर्जी, न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति सुब्रत तालुकदार की बड़ी पीठ ने फैसला सुनाया।

मालूम हो कि, चुनाव बाद हिंसा पर हाई कोर्ट के फैसले का भाजपा ने स्वागत किया है। हिंसा मामले में हाई कोर्ट के फैसले पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि हमें उम्मीद है सभी दोषियों को सजा मिलेगी। दूसरी ओर बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट जा सकती है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत राय ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह तृणमूल के प्रवक्ता हैं। इसलिए राज्य सरकार के मामले पर अधिक कुछ नहीं कह सकते पर ऐसा लग रहा है कि राज्य सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। जानकारी हो कि हिंसा से जुड़े अन्य मामलों की जांच के लिए गठित एसआइटी में कोलकाता पुलिस के आयुक्त सोमेन मित्रा, वरिष्ठ आइपीएस सुमन बाला साहु और आइपीएस रणवीर कुमार को हाई कोर्ट ने शामिल किया है।

एसआइटी जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश करेंगे। यह एसआइटी हिंसा के दौरान लूट, आगजनी व अन्य मामलों की जांच करेगी।

तीन सदस्यीय सिट का गठन

फैसले में कहा गया है कि चुनाव बाद हिंसा की जांच सीबीआइ करेगी। अस्वाभाविक मृत्यु, हत्या और दुष्कर्म सहित अन्य अधिक महत्व के अपराध के मामलों की जांच सीबीआइ करेगी, जबकि अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय सिट का गठन किया गया है। जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट को देगी। इसकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश करेंगे।

फिर से देश में रफ्तार पकड़ने वाला है मानसून

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। एक बार फिर से देश में मानसून रफ्तार पकड़ने वाला है, जिसके चलते फिर से उत्तर भारत सहित देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मानसूनी बारिश के चलते उत्तराखंड-हिमाचल प्रदेश पहले ही बाढ़-भूस्खलन का सामना कर चुका है। ऐसे में उत्तराखंड के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इतना ही नहीं देश के कई राज्यों में 3-4 दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया गया है। मानसून के एक्टिव होने से जहां-जहां बारिश कम हुई है वहां पर भरपाई हो सकती है। इसके अलावा एक बार फिर से पहाड़ी इलाकों में बाढ़-भूस्खलन की घटनाएं बढ़ने की संभावना है। यही वजह है कि मौसम विभाग की तरफ से अलर्ट जारी किया गया है।

बता दें कि पिछले 2-3 हफ्तों के बीच उत्तराखंड और उत्तर पश्चिम में बारिश पर ब्रेक लगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह पर लगभग 61 प्रतिशत बारिश हुई है, लेकिन अब मानसून की रफ्तार पर लगी ब्रेक हटने वाली है, जिसके तहत पहाड़ी इलाकों में आज से बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। ऐसे में एक बार फिर से यहां पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ने की आशंका है।

स्काइमेट और मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में अगले पांच दिनों तक बिजली चमकने के साथ भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा गुरुवार और शुक्रवार को उत्तरांखड में भारी बारिश का अलर्ट जारी हुआ है, जिसके चलते मौसम विभाग ने पूरे उत्तराखंड में आरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां पर 23 अगस्त तक आरेंज अलर्ट के साथ येलो अलर्ट जारी रहेगा। ऐसे में देश के जिन इलाकों में बारिश अच्छी नहीं हुई है वहां पर भरपाई हो सकती है।

अलर्ट

■उत्तराखंड में बाढ़-भूस्खलन की बढ़ सकती है घटनाएं

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

चीनी ड्रैगन की नापाक साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। भारत और चीन के बीच कई दौर की बातचीत के बाद भी लद्दाख के देपसांग इलाके में तनाव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यही नहीं सैटलाइट तस्वीर से खुलासा हुआ है कि चीन देपसांग इलाके पर अपनी पकड़ को और ज्यादा मजबूत करने में जुट गया है। चीन तिआनवेंडियान हाइवे को और मजबूत बनाने के लिए मरम्मत और उसे चौड़ा करने का काम कर रहा है। चीन की यह सड़क अक्साई चिन इलाके में है जो भारत के दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी के कुछ ही दूरी पर है।

चीन तिआनवेंडियान हाइवे को चौड़ा कर रहा है

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस की तस्वीर में नजर आ रहा है कि चीन एक नई सड़क भी बना रहा है। चीनी सेना पुरानी सड़क को मजबूत बनाने के लिए जमीन को खोदने का भी काम कर रहा है। देपसांग का इलाका उत्तर में दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) और काराकोरम दर्रे की ओर है। पीएलए लगातार देपसांग के अड़चन क्षेत्र में भारतीय गश्ती दल को रोक रहा है। यह क्षेत्र भारत के अपने एरिया के भीतर 18 किलोमीटर की दूरी पर है।